

संपादकीय

चांद पर 'प्रथम' भारत

वाह! कितने खूबसूरत और ऐतिहासिक लम्हे हैं ये !! अभूतपूर्व, अकल्पनीय, अनुरूपी, अप्रत्याशित और अविस्मरणीय उपलब्ध है कि भारत चांद पर पहुंच चुका है। अपने ही अनुसंधान और प्रयोगों के बल पर आज भारत चांद के उस हिस्से पर मौजूद है, जहाँ कोई भी देश पहुंच नहीं सकता। 'चंद्रयान-3' बेहद सफल मिशन रहा है, क्योंकि उसके 'विक्रम लैंडर' ने चांद के दक्षिणी ध्रुव की सतह पर सफल लैंडिंग की है और अब 'प्रज्ञान रोवर' भी बाहर आकर, चांद के अंगन में ही, घुमकड़ी कर रहा है। भारत और इसरो ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, क्योंकि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उत्तरने वाला प्रथम मिशन 'भारतीय' है। आज अमेरिका, रूस, चीन और यूरोपीय देशों की आंखें फैल गई होगी, क्योंकि भारत के ऐसे सामर्थ्य की कल्पना तक उन्होंने नहीं की थी। वे हमारी वैज्ञानिकता और मिशनों का उपहास उड़ाया करते थे। सिर्फ तीन दिन पहले ही रूस का 'लूना-25' मिशन दक्षिणी ध्रुव पर उत्तरने में नाकाम रहा और वह विनष्ट हो गया। अंतरिक्ष और चांद को खंगालने में सेवियत संघ (रूस) के मिशन सर्वप्रथम और अतुलनीय रहे हैं, लेकिन आज वह भी भारत से पिछड़ गया। भारत और इसरो के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों ने वह उपलब्धि हासिल की है, जो अनन्य है। आज चांद तो ब्याया, आसमान भी हमारे लिए आंगन महसूस हो रहा है। वह असीम और अनंत नहीं रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही टिप्पणी की है कि अब चंदा मामा दूर के नहीं रहे, बल्कि वह दूर के हो गए हैं। यानी ऐसे दिन भी आने वाले हैं, जब

भारत और इसरो ने ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित किया है, क्योंकि चांद के दक्षिणी ध्रुव पर उत्तरने वाला प्रथम मिशन

ध्रुप पर उत्तरन पाना प्रवेश निराम
 'भारतीय' है। आज अमरीका, रूस, चीन
 और यूरोपीय देशों की आंखें फैल गईं
 होंगी, क्योंकि भारत के ऐसे सामग्र्य की
 कल्पना तक उन्होंने नहीं की थी। वे हमारी
 वैज्ञानिकता और मिशनों का उपहास
 उड़ाया करते थे। सिर्फ तीन दिन पहले ही
 रूस का 'लूना-25' मिशन दक्षिण ध्रुव
 पर उत्तरने में नाकाम रहा और वह विनष्ट
 हो गया। अंतरिक्ष और चांद को खंगालने में
 सोवियत संघ (रूस) के मिशन सर्वप्रथम
 और अनुलनीय रहे हैं, लेकिन आज वह भी
 भारत से पछड़ गया। भारत और इसरो के
 वैज्ञानिकों, इंजीनियरों ने वह उपलब्धि

हासल का है, जो अनन्य है। आज च

विया, आसमान भा हमार लिए आगन
महसूस हो रहा है । वह असीम और अनंत
नहीं रहा । प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही
टिप्पणी की है कि अब चंदा मामा दूर के
नहीं रहे, बल्कि वह दूर के हो गए हैं । यानी
ऐसे दिन भी आने वाले हैं, जब लोगों के दूर
चांद पर जाया करेंगे । इस चंदविजय के
बाद कहानियों के तमाम पुराने मिथक और
कथानक बदल जाएंगे । नए भारत की नई
पांडी नई कहावतें पढ़ेंगी ।

लगी, तो आंखे पनिया गई। अचानक उद्घोष मूर्जने लगे, तो खुशी से उछल पड़े। एक असंभव-सा लक्ष्य हासिल कर लिया। उपलब्ध यहीं तक समित नहीं रहेगी, वह को एक निश्चित रास्ता मिलेगा कि चांद संभव है? दरअसल हमारा सुझाव है कि अगस्त को भी 'राष्ट्रीय दिवस' एवं पर्व भारत की संप्रभुता और स्वतंत्रता का प्रतीक उपलब्ध है। परमाणु कार्यक्रम के लिए स्वच्छ स्रोत भी है। चांद की चट्ठीनों पर स्प्लेटिनम्, प्लाइयम्, मैग्नीशियम् और हैं। अब लैंडर और रोवर चांद की स्थिति हलचलों और तापमान का भी अध्ययन तक पहुंचाई जाएंगी। चांद पर पानी के इनसानी जिंदगी की संभावनाओं के भी भर है। आपी तो इसरों को सूर्य और शुक्र भारत सूर्य और शुक्र पर भी तिरंगा फहराएं।

କୁଣ୍ଡ ଅଲଗ

विश्व विजेता भारत

धरती से चांद के सपने मानव सभ्यता के संदर्भों को भरते रहे हैं, लेकिन विज्ञान के कदमोंने सारी दूरीयां व कल्पनाएं मिटाईं। चांद मामा न तो दूर के रहे और न ही किसी और के रहे, बल्कि भारत के समीप आज एक ऐसा चांद है, जो विज्ञान की अभिलाषा, महत्वाकांक्षा और चेतना को सराबोर कर देता है। एक बड़े अधियान की परिकल्पना, छोटे-छोटे कदम और कुछ ठोकरे भी रही, लेकिन 23 अगस्त साथें 6 बजकर चार मिनट पर भारत के तिरंगे ने देश की सीमा और संभावना को विश्व बिरादरी की असीम आशाओं से भर दिया। चांद पर चौथे देश की उपरिथित होना भी बहुत ही जरूरी होता है।

म भारत का सरकारी दाकिनी शुरू हुए म अलग से अलगत ह, क्याकि यहाँ हमारी नशान केवल हमारे ही कारण हैं। अंतरिक्ष विज्ञान में भारत को उपलब्धि ने देश की वैश्विक गणना और प्रमाणिकाता को अंगीकार करते हुए हमें ऐसा तमगा पहनाया है, जो हमें इस वजह से विकसित देशों की पांत में आगे कर देता है। आज जहाँ हम हैं, वहाँ कोई यूरोपीय देश या जापान व कोरिया तक नहीं हैं। चंद्रयान-3 के लैंडर विक्रम ने जिस खूबसूरती, जिस शुद्धता, जिस विश्वास और जिस कर्मठता से दक्षिण धूरव की दुरुहत पर कब्जा किया है, उसके कारण भारत के वैज्ञानिक आज पुनः विश्व विजेता की तरह अंगीकार हुए हैं। यूंठे भारतीय वैज्ञानिक इसरो के साथ-साथ नासा के तमाम अभियानों में भी अहम किरदार में रहे हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज के साथ चंद्र पथ पर उनका मुकाम अब भविष्य की साइंस को आश्वस्त कर रहा है। यहाँ विज्ञान की विजय में भारत का डंका बज रहा है, इसलिए इसे किसी सियासत का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं। हमने 1962 में जब इसरो की स्थापना की थी, तो देश की कंगाली में ऐसी प्राथमिकता चुन लेना तब एक वर्ग को पागलपन जैसा ही लगा था, लेकिन जब 1975 में पहला राकेट 'आर्य धृष्टि' लांच किया, तो हम अपने ईर्द्द-गिर्द से बाहर ब्रह्मांड को जीतने निकल चुके थे। हमें अंतरिक्ष प्रोग्राम किसी की खीरात से नहीं मिला, बल्कि चंद्र पर उतरा लैंडर विक्रम लोहा मनवा रहा है कि भारत ने अपने दम, हुनर और क्षमता से विज्ञान का सर्वश्रेष्ठ सृजित किया है। इसीलिए अंतरराष्ट्रीय विज्ञान जगत मान चुका है कि हमारा चंद्रयान-3, रूस से दस गुना बेहतर तकनीक पर आधारित है और अमरीका से पंद्रह गुना सस्ता विश्वसनीय हस्तक्षेप है। निश्चित रूप से अब अंतरिक्ष विज्ञान के आगामी हर पथ पर भारत की भूमिका, एक विकासशील और वैज्ञानिक देश के रूप में होगी। भले ही हम पांच सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और आगे चल कर तीसरी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे, लेकिन प्रति व्यक्ति आय में हम इसी तरह शक्तिमान हो जाएं तो आने वाली सदियों परी परी तरह हम ही लिखेंगे। बहरहाल चंद्रयान-3 की सफलता ने भारतीय विज्ञान की चेतना और महत्वकांक्षा को मीलों आगे पहुंचा दिया है और अगर युवाओं की क्षमता देश पहचान पाया, तो सारी करवटें विश्व की संभावनाओं को हमारे नजदीक ले आएंगी, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि वर्तमान में हर साल दो से ढाई लाख पढ़े लिखे मेंहनती, ईमानदार तथा बुद्धिमानी युवा बाहर पलायन कर रहे हैं। जिस राष्ट्रीय भवाना का उद्घोष 1984 में चांद पर पहुंचने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री विंग कमांडर राकेश शर्मा ने, 'सारे जहाँ से अच्छा हिंदोस्तान हमारा' कह कर किया था, आज पुनः राष्ट्रीय भावाना का वैसा ही उफान चांद से मुलाकात कर रहा है।

उत्तर प्रदेश की बदल रही है तसवीर...लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

उत्तर प्रदेश की बदल रही है तसवीर...लेकिन अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी

उमेश चतुर्वेदी



समूचा राज्य बिजली की आखि-मिचौनी देखता था। सरकारी दफ्तरों में बाबुओं की मनमानी चलती थी। लेकिन साल 2017 में योगी अदित्यनाथ की सरकार ने सत्ता संभालते ही सबसे पहले कानून-व्यवस्था की हालत की तरफ ध्यान दिया। ऐसा नहीं कियोगी के प्रयासों से कानून-व्यवस्था के मामले में उत्तर प्रदेश स्वर्ग बन गया है। लेकिन यह भी सच है कि कानून का भय अब अराजक समूहों में आया है। सड़कें दुरुस्त हुई हैं। हालांकि छोटे इलाकों और गांवों को जोड़ने वाली सड़कों पर अब भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। बिजली की हालत भी ठीक हुई है। अब समूचे प्रदेश में बिजली है। इसका असर जमीनी स्तर पर दिखने लगा है। अब शेयर बाजार में उत्तर प्रदेश के निवेशक छा रहे हैं। उत्तर प्रदेश में डीमैट अकाउंट का आंकड़ा करीब 12 करोड़ है चुका है। 123 करोड़ की जनसंख्या वाले राज्य में 12 करोड़ जाति के जरिए शेयर बाजारों में दस्तक देना मामूली बदलाव नहीं है बीते अप्रैल तक के आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इक्विटी ट्रेड की वजह से 1.26 लाख नए निवेशक जुड़े हैं। दिलचस्प यह है कि यह आंकड़ा शेयर कारोबारियों की राजधानी मुंबई वाले महाराष्ट्र राज्य के मुकाबले ज्यादा हो चुका है। आंकड़ों पर ध्यान देतो बीते अप्रैल में महाराष्ट्र में जहां 1.18 लाख नए निवेशक हुए जुड़े, वहीं उत्तर प्रदेश में यह आंकड़ा करीब 1.26 लाख रहा। राज्य के बदलते बुनियादी ढांचे और बेहतर होती कानून-व्यवस्था का ही असर कहा जाएगा कि बीते फरवरी में हुए निवेशक सम्मेलन में उत्तर प्रदेश को 36 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। कभी इलाहाबाद, आगरा, काशी हिंदू विश्वविद्यालय समान राज्य के तमाम विश्वविद्यालय अराजकता के पर्याय माने जाते थे। हालांकि इनका गैरवशाली अंतीम रहा है। भारत के शैक्षिक और सांस्कृतिक परिदृश्य में इन विश्वविद्यालयों का सार्थक हस्तक्षेप रहा है। लेकिन राजनीतिक संस्कृति बदलने से बाद के दिनों में उत्तर प्रदेश शैक्षिक रूप से पिछड़ता जा रहा था। लेकिन अब उत्तर प्रदेश का शैक्षिक परिदृश्य बदलने लगा है। स्कूली स्तर पर भी पढ़ाई की रेल पटरी

नकला खल सामग्रा खरादना बद करें में आज उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खेल सामग्री निम्न टर्जें की होयी। इस तरह मल्य उत्तर

੫

खला
उत्पकरणों से लेकर कृत्रिम प्लॉफीलॉड तक
मैं काफी सुधार किया जा रहा है। अच्छे खेल सामग्री में लिए खेल सामान की क्वालिटी का योगदान भी बहुत महत्वपूर्ण है, मगर खेल सामान की खरीदारी में बहुत बड़ा गोलमाल है। इस विषय पर पहले भी कई बार इस कॉलम के माध्यम से लिखा जा चुका है, मगर अभी तक इसमें कोई भी सुधार नहीं हो पाया है। हिमाचल प्रदेश के जिला युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के कार्यालयों व शिक्षा संस्थानों में हर वर्ष करोड़ों रुपए का खेल सामान जैम व अन्य माध्यमों से खेल विभाग व शिक्षा निदेशालय खरीद कर आगे देता है, जो बेहद निम्न दर्जे का होता है। इस कॉलम के माध्यम से बार-बार सरकार को सचेत किया जा रहा है कि इस खरीद पर लगाम लगा कर अच्छी क्वालिटी का खेल सामान प्रदेश के खिलाड़ी भी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन कर सकें। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आज खेलों का स्तर बहुत ही ऊपर उठ चुका है। उत्कृष्ट प्रदर्शन के बल पर खिलाड़ी परे विश्व में अपने देश का डंका बजा रहे हैं। इस अद्भुत खेल प्रदर्शन के लिए उच्च स्तरीय प्रशिक्षकों व प्रतिभासाली खिलाड़ियों के साथ-साथ उनके पास स्तरीय खेल किट व उच्च तकनीकी के खेल उपकरणों का होना भी बहुत ही जरूरी होता है। चिकित्सा क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की बीमारियों को ठीक करने के लिए आज प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर कई प्रकार के उपकरण विकसित हो चुके हैं, ठीक उसी प्रकार खेल जगत में भी आज के अति मानवीय खेल परिणामों में विकसित प्रौद्योगिकी का सहारा लेकर बनाई गयी आधुनिक खेल सामग्री का विशेष योगदान है। जैसे जैसे सभ्यता का विकास हो रहा है, हम स्वाक्षर्य के प्रति जागरूक हो रहे हैं। इनसान को पिट रहने के लिए किसी न किसी खेल का सहारा लेना पड़ता है। ऐसे में जब लाखों नहीं करोड़ों खेलोंगे तो उसके लिए खेल उपकरण भी चाहिए। पूरे विश्व में खेल बहुत बड़ा उद्योग बन कर उभरा है। हमारे देश में आज खेल उपकरणों का उद्योग अरबों रुपये का कारोबार हर वर्ष कर रहा है। खेल किट व खेल उपकरणों के बाजार में अच्छे से अच्छा व घटिया से घटिया सामान उपलब्ध है। जब सरकारी स्तर पर खेल सामान खरीदा जाता है तो कीमत बढ़ाया या मध्यम स्तर के सामान की होगी और

उत्तम खेल सुविधा मुहूर्या है। यथापारी व सामग्री खरीदने वाले अधिकारी मिलकर अधिकांश राशि को चट कर जाते हैं। प्रदेश के महाविद्यालयों में जहां अधिकतर खेल सामग्री महाविद्यालय प्रशासन स्वयं खरीदता है, वहां पर कुछ खेल सामान पहले शिक्षा निदेशालय मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीद कर महाविद्यालय को दिया जाता था और अब जैम के माध्यम से खरीदा जा रहा है। मटीरियल्स एंड सप्लाई के अंतर्गत खरीदा गया खेल सामान बिल्कुल घटिया किस्म का मिलता रहा है। निम्न दर्जे के हाई जैम व कबड्डी मैट, मुकेबाजी रिंग व अन्य खेलों के घटिया उपकरण इसके उदाहरण आज भी देखे जा सकते हैं। इस स्कीम के अंतर्गत खरीदे जिम्म एक साल तो दूर, कुछ महीनों बाद ही कबड्डी हो जाते हैं। लाखों रुपये का खेल सामान तो खरीद लिया, मगर यह कोई नहीं सोचता है कि यह काम में भी लाया जा सकता है या नहीं। इस खेल सामान को खरीदने के लिए वनी कमेटी में निदेशालय के अधिकारी व बाबू होते हैं जिन्होंने अपनी जिंदगी में शायद ही कोई खेल खेला हो और जो थोड़ा बहुत खेल खेले हैं और खेल सामान की परख भी रखते हैं, वे भी अपने थोड़े लाभ के लिए आंखें बंद कर लेते हैं। आज जब खेल खेल में स्वास्थ्य स्कीम के अंतर्गत कई करोड़ रुपयों की कृत्रिम प्लॉफीलॉड जूडो, कुशीती व खो-खो आदि खेलों के लिए खरीद कर विद्यालयों व महाविद्यालय को दी जा रही, जहां भी खेल सामान खरीदना हो वहां पर खरीदारी के लिए जो कमटी बने, उसमें जिस भी खेल का सामान खरीदना है, उस खेल का प्रशिक्षक व कम से कम दो राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी भी विभागीय अधिकारियों के साथ हो। जिस संस्थान को सामग्री मिले, वहां भी कमटी देखे कि वह घटिया स्तर का तो नहीं दे दिया। अच्छी प्रशिक्षण सुविधा के अभाव में कई प्रतिभासाली खिलाड़ी समय से पहले ही खेल को अलिवादा कर जाते हैं और जिन के पास धन व साधन हैं, वे अच्छे प्रशिक्षण के लिए हिमाचल प्रदेश से पलायन कर जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में बहुत कम प्रशिक्षण केन्द्र हैं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाला खिलाड़ी बनने के लिए स्कूल व कालेज समय में खिलाड़ी को अच्छी खेल सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए। पूरे संसार में जहां के खिलाड़ी श्रेष्ठ हैं, वहां पर स्कूल व कालेज स्तर पर बहुत ही उत्तम खेल सुविधा मुहूर्या है।

दशक की साहित्य साधना के बाद मुझे होश सम्मान तो करवाया ही नहीं। मैंने भागा-दौड़ लोग कहने लगे कि अब तक कहां थे? हमने तो अपने खेमे निपटा दिया, किसी और किसी को पकड़ो। सूखा सा उत्तर दूसरों के पास गया, दूसरोंने भी टरका दिया। फिर हारकर मैं भूमि पास पहुंचा। साहित्य के घाघ हैं। सारी ऊंच-नीच का पता है देखते ही बोले- 'शर्मा धूप में बाल सफेद कर लिये। कागज बरहे। लेखन के बूते पर सम्मान की आस लाया बैठे रहे। पहले तो अब तक तो यह सम्मान की धारा भी पार कर लेते। खैर नहीं, जागे वहीं सवर्ण। अभी भी कुछ नहीं बिंगड़ा है। चलो तुम्हारे सम्मान करवा देंगे। बस थोड़ा सा पैंच है, वह तुम्हें ही भुगतना जी की अंतिम बात मैं समझा नहीं, सो मैंने पूछा- 'क्या भूमि इतना विपुल लिखने के बाद भी मुझे क्या करना पड़ेगा?' भ्रम लगे, बोले- 'शर्मा, सम्मान-पुरस्कार जोड़-तोड़ के जुगाड़ साहित्य साधना में लीन रहे, यही तुम्हारा माइनस पाइंट है। कुछ नहीं होता। लिखने से किताब छप जायेगी, लेकिन सम्मानों से लगाकर खाना पड़ता है। लिखने का नशा उत्तर जाये तो मैं तुम्हें एक पते की बात बताऊँ? 'हाँ... हाँ बताइये। मैं आप जो कहेंगे, वह करने को तैयार हूँ। साहित्य का सम्मान लिखने से ही तो मिलता है। यारसी लाल जी और कजोड़मल जी जब सम्मान ले सकते हैं तो मैंने कोई धास थोड़े ही खोदी है।' मैंने कहा तो भ्रमर जी बोले- 'तुमने धासी खोदी है शर्मा, जिनका तुम उदाहरण दे रहे हो, उन्होंने रोकड़ा खर्च करके सम्मान लिया है। अब पहले वाली बात नहीं है कि वक्त देखा और सम्मान दे दिया। आजकल तो सम्मान-पुरस्कार खुद के जुगाड़ हैं। तुम्हें लेना है तो अपना बजट लिखने के लिए लोगों लापत्त जाना आवाह है। लिखने की

दृष्टिकोण

कश्मीर में विकाश के साथ लौटता अमन चैन

जब 5 अगस्त 2019 को भारतीय समाज से धरा 3 न

जम्मू - कश्मीर स धारा 370 का खत्म करने रुपी विधेयक को मंजूरी दी तो ऐसा लगा कि पूरे भारतीय राजनीति में भूचाल आ गया। हर कोई इस बात को लेकर चिंतित था कि जम्मू - कश्मीर में कहीं कोई अप्रिय घटना न घटित हो, लेकिन सरकार की दृढ़ इच्छा शक्ति और दूरदर्शी सोच ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। इस दौरान जम्मू - कश्मीर की जमूरियत ने एक नये केन्द्रशासित प्रदेश का उदय होते देखा। आर्टिकल 370 हटने के बाद जम्मू - कश्मीर के लोगों ने कई बदलाव देखे। लगभग दो दशक के अंतराल के बाद स्वतंत्रता दिवस समारोह में हजारों कश्मीरी उमड़े। हर वर्ष की भाँति इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के दिन सड़कों पर न ही कटीले तार दिखने ही बैरकेटिंग इस साल लोगों की आवाजाही या इंटरनेट सेवाओं पर कोई प्रतिवर्धन नहीं था, जैसा कि आतंकी खतरे के महेनजर अतीत में लगता रहा है। इस दौरान पूरे केंद्र शासित प्रदेश में कड़ी सुख्ता व्यवस्था की गई थी। इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घाटी में अमन चैन कायम रहा। जम्मू - कश्मीर में कितना बदलाव हुआ है यह सरकार के आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने 26 जुलाई को राज्यसभा में एक रिपोर्ट प्रस्तुत किया। इस रिपोर्ट में कबाद स लगभग 30,000 युवाओं का नाकराया दा गई है। इस दौरान जम्मू - कश्मीर सरकार ने 29,295 रिकितयां भरी हैं। साथ ही केंद्र सरकार ने जम्मू - कश्मीर में कई योजनाएं शुरू की हैं। अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास रहने वालों के लिए सेवाओं और शैक्षणिक संस्थानों में 3 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान भी किया गया है। मालूम हो कि अनुच्छेद 370 हटने से पहले देश के अन्य राज्यों के लोगों के पास यहां जमीन खरीदने का अधिकार नहीं था। लेकिन अनुच्छेद 370 हटाने के बाद लोगों को यह अधिकार प्राप्त हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से जम्मू - कश्मीर में 188 बड़ी निवेशकों ने जमीन ली है। इसी साल मार्च में प्रदेश को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का पहला प्रोजेक्ट मिला है। यह प्रोजेक्ट लगभग 500 करोड़ रुपये का है और इसके पूरा होने पर केंद्र शासित प्रदेश में 10,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। यह प्रोजेक्ट संयुक्त अरब अमीरात के 'एमआर' ग्रुप का है। कभी पथरबाजी के चलते सुर्खियों में रहने वाले जम्मू - कश्मीर में अब यह बीती बात हो गई है। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद आतंकी घटनाओं में भी कमी देखने को मिली है। इसके साथ ही अलगावादियों का समर्थन भी अब खत्म होता जा रहा 2016 से 4 अगस्त 2019 के बाच 900 आतंकी घटनाएं हुई थीं, जिसमें 290 जवान शहीद हुए और 191 आम लोग मारे गए थे। वहीं 5 अगस्त 2019 से 4 अगस्त 2022 के बीच 617 आतंकी घटनाओं में 174 जवान शहीद हुए और 110 नागरिकों की मौत हुई। यह आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि जम्मू - कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी देखने को मिली है। धारा 370 हटाने के बाद जम्मू - कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में भी विकास हुआ है। बीते 4 सालों में जम्मू - कश्मीर में पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई है। भयमुक्त माहौल ने पर्यटकों को यहां आने की वजह दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार साल 2022 में 1.88 करोड़ पर्यटक जम्मू - कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आए और यहां के खूबसूरत नजारों का लुट्क उठाया। जम्मू - कश्मीर बीते साल प्रधानमंत्री डेवलपमेंट पैकेज के तहत 58,477 करोड़ रुपए की लागत की 53 परियोजनाएं शुरू की गई थीं। ये प्रोजेक्ट्स रोड, पावर, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म, फार्मिंग और स्किल डेवलपमेंट जैसे सेक्टर्स में शुरू हुए थे। केंद्र शासित प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए नई केंद्रीय योजना के तहत 2037 तक 28,400 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी। भावना (चमचागरा) का तो मैंने कोई घास थोड़ी ही खोड़ी थी। भवित तुम क्या जाने चाहे। भवित भावना व पैसे के बूते पर आज वे साहित्य शिरोमणि प्राप्त कर सूल्य बदल गये हैं, युग बदल गया है। अभी देखा नहीं, रासायनिक जिस अकादमी के अध्यक्ष हैं, उसी से अपना सम्मान करवाना चाहिए। आतंकी घटनाओं में 174 जवान शहीद हुए और 110 नागरिकों की मौत हुई। यह आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि जम्मू - कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी देखने को मिली है। धारा 370 हटाने के बाद जम्मू - कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में भी विकास हुआ है। बीते 4 सालों में जम्मू - कश्मीर में पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई है। भयमुक्त माहौल ने पर्यटकों को यहां आने की वजह दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार साल 2022 में 1.88 करोड़ पर्यटक जम्मू - कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आए और यहां के खूबसूरत नजारों का लुट्क उठाया। जम्मू - कश्मीर बीते साल प्रधानमंत्री डेवलपमेंट पैकेज के तहत 58,477 करोड़ रुपए की लागत की 53 परियोजनाएं शुरू की गई थीं। ये प्रोजेक्ट्स रोड, पावर, हेल्थ, एजुकेशन, टूरिज्म, फार्मिंग और स्किल डेवलपमेंट जैसे सेक्टर्स में शुरू हुए थे। केंद्र शासित प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए नई केंद्रीय योजना के तहत 2037 तक 28,400 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी।

2016 से 4 अगस्त 2019 के बाच 900 आतका घटनाएं हुई थीं, जिसमें 290 जवान शहीद हुए और 191 आम लोग मारे गए थे। वर्षीं 5 अगस्त 2019 से 4 अगस्त 2022 के बीच 617 आतंकी घटनाओं में 174 जवान शहीद हुए और 110 नागरिकों की मौत हुई। यह आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं में कमी देखने को मिलती है। धारा 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर के पर्यटन क्षेत्र में भी विकास हुआ है। बीते 4 सालों में जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की अच्छी खासी भीड़ देखी गई है। भयमुक्त माहाल ने पर्यटकों को यहां आने की वजह दी है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार साल 2022 में 1.88 करोड़ पर्यटक जम्मू-कश्मीर के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर आए और यहां के खूबसूरत नजारों का लुत्फ उठाया। जम्मू-कश्मीर बीते साल प्रधानमंत्री डेवलपमेंट पैकेज के तहत 58,477 करोड़ रुपए की लागत की 53 परियोजनाएं शुरू की गई थीं। ये प्रोजेक्ट्स रोड, पावर, हेलथ, एजुकेशन, ट्रॉिजम, फार्मिंग और स्किल डेवलपमेंट जैसे सेक्टर्स में शुरू हुए थे। केंद्र शासित प्रदेश के औद्योगिक विकास के लिए नई केंद्रीय योजना के तहत 2037 तक 28,400 करोड़ की राशि खर्च की जाएगी।

भावना (चमचागरा) का तो मैंने कोई धास थोड़ी खो तुम क्या जानो भैया। भक्ति भावना व पैसे के बूते पर आज वे साहित्य शिरोमणि प्राप्त कर मूल्य बदल गये हैं, युग बदल गया है। अभी देखा नहीं, राय जिस अकादमी के अध्यक्ष है, उसी से अपना सम्मान करवा दिया पता है, विलंब किया और सम्मान के लिए पापड़ बेलों का यक्रिया जावेगा। इसलिए मेरी संस्था को धन देवों और सार्वजनिक मालाएं पहनकर चहकते फिरो।' भ्रमर जी की बातों से मेरी उम्मीद की खुली रह गई, लेकिन समस्या धन की थी। सम्मान के लिए धन से लाऊं। गृहस्थी की गाड़ी ही जब इस महांगाई में नहीं चल पा महांगा सम्मान कैसे प्राप्त करूंगा। मैंने भ्रमर जी से कहा- 'दिन में आपसे मिलता हूं'। यह कहकर मैं सीधी किचन में शरण में पहुंचा। पत्नी बोली- 'क्यों क्या बात है, मुह लटकायेंगे हो?' मैं बोला- 'सम्मान तो बहुत महांगे हो गये। येरा सी लाला अब पैनलटी अलग लगेगी। मेरा मतलब सम्मान के लिए धन-पत्नी बोली- 'क्या करोगे सम्मान का। इससे बढ़िया तो बच्चे चुकाओ। पोते-पोती क्या सोचते होंगे कि बाबा उनके लिए करते। सम्मान से कुछ नहीं होता। लिखते-पढ़ते हों, यह सम्मान की बात है।' एक ही क्षण में पत्नी ने सम्मान की खुदी। मैं बोला- 'तुम सही कहती हो। ऐसे सम्मान का क्या करें? से मिलते हैं। मैं तो अपनी नवी किताब तैयार करता हूं।' पत्नी 'मस्त रहो, काम करो। सम्मान तो अब गधों के होने लगे हैं।'

न्यू वर्कशॉप वेकनाका सङ्क पर गिरकर एक वृद्ध की मौत
सिरका (प्रभात नंत्र संवाददाता) : परियोजना सिरका न्यू वर्कशॉप बैरियर खेकनाका व ट्रैटर स्टैड सङ्क के बीच शिवाय संख्या कारीब 5-5 बो चित्यरिया मोहल्ला निवासी छोटे राम उम 56 वर्ष एक तुम्ह व्यक्ति की सङ्क पर गिरकर मृत्यु हो गई। लोगो ने बताया कि मृतक मन्डूर सङ्क से पैदल सिरका टैटै की ओर जा रहा था। न्यू वर्कशॉप वेक पोट के समीप जन्म सङ्क के पास एकाएक गिर पडा। इसके बाद व्यक्ति ने उसे उतारा का प्राप्ताया दिया। लेकिन उसकी मृत्यु हो चुकी थी। सूचना निलाने पर अत्यधिक नियानीटांड से बडा भार्ड गोपाल राम घटावाराल पर एक्युएच मृतक के शर को उतारा। बताया कि मृतक कुछ दिनों से बीमां घल रहा था। इसके परिणाम में कोई भी नहीं है।

चित्यरपुर महाविद्यालय चित्यरपुर में हिंदी विभाग में विदाई समारोह का आयोजन किया गया

जगद्या (प्रभात नंत्र संवाददाता) : चित्यरपुर महाविद्यालय परिसर में सेमेटर्ट-ड्यू के छात्र एवं छात्राओं के द्वारा सत्र 2020-23 के छात्राओं को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए गए। सर्वथान प्राचार्य, शिक्षण तथा पूर्ववर्ती छात्राओं के द्वारा दीप प्रज्ञलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। फिर उक्त शब्द के कार्यक्रम एक्टुअल को ब्याही दी गयी। सेमेटर्ट-ड्यू तरह एक्टुअल-ड्यू के छात्राओं के द्वारा समाजन स्कूल उपरांग शिक्षण की प्राचार्यां द्वारा उक्त शब्द के बाद तथा अधिक्षित के लिए सतत मार्ग पर चलने का मूल्यांकन दिया तथा उत्तरांश अधिक्षित की काजन ने आता है पर इसे स्वीकार करना थोड़ा कठिन होता है, यहाँ से निकालने के बाद आपको आपको अपने तय लक्ष्य को पाने के नियंत्रण प्राप्त करना होता है।

जिला स्तरीय योग वैष्णवनाथिका द्वारा आयोजन

हजारीबाग(प्रभात नंत्र संवाददाता) : जिला योग एसोसिएशन के द्वारा आयोजित एक्टिविटीय हजारीबाग जिला योगालान वैष्णवनाथिका का आयोजन किया गया। इसके उद्दरण सर ने शहर के युवा समाजादीय बाजार में अलिपक संघ के अध्यक्ष हर्ष अंजेलो शानिल हुए। योग एसोसिएशन के पदाविकारियों ने फूलों का गुलदारा एवं शैल औढ़ कर हर्ष अंजेलो का स्वागत किया। प्रतियोजिता ने जिले के कई स्कूल एवं शैल औढ़ कर हर्ष अंजेलो का स्वागत किया। प्रतियोजिता ने जिले के द्वारा योग वैष्णवनाथिका के द्वायारा शानिल हुए। निलाने 8 से 10, 12 से 14, 14 से 16, 16 से 18, 18 से 21, 21 से 25, 25 से 30, 30 से 35, 35 से 45, 45 से 50 तक योग अभ्यास किया गया। योग अभ्यास के दौरान ने सभी योगालोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप सभी अपने लक्ष्य की ओर हमेशा अधिक्षित होना बाब आपके साथ सदैव रहते हैं।

चलाया गया मैक्सिलोफेशियल जागरूकता अभियान

हजारीबाग(प्रभात नंत्र संवाददाता) : एसोसिएशन ऑफ ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल सर्जन ऑफ इंडिया (एओएमएसआई) द्वारा एक राष्ट्रव्यापी मैक्सिलोफेशियल ट्रैनिंग जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। हजारीबाग कोलेज ऑफ डैटर साइरेन एंड हैंपिटल के ओरल और मैक्सिलोफेशियल सर्जन विभाग द्वारा वैष्णवनाथिका योगालान की शुभकामना दी गई। जागरूकता अभियान का नेतृत्व आदेश और मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग की विभागाद्याय श्रीदेवी मोई ने किया। जागरूकता अभियान में कैरीब 30 छात्र-छात्रां शानिल हुए। इस नैके पर एविं डॉ प्रतीष्ठ श्रीनिवास ने कहा कि जीवन काकी अगुल्य है।

कार्यालय, झुमरी तिलैया नगर परिषद्
झुमरी तिलैया, जिला कोडरा
Email - jhumritilayamunicipalcouncil@gmail.com

पत्रांक दिनांक
आम सूचना
झुमरी तिलैया नगर परिषद अन्तर्गत आमंत्रित ई-निवादा आमंत्रण सुचना संख्या—JMT/08/2023-24, Dated- 24-07-2023 (PR No.303095, Urban Development 2023-24;D) को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

प्रशासक
PR 305661 Urban Development(23-24)D झुमरी तिलैया नगर परिषद

झारखण्ड शिक्षा परियोजना, पलामू समाहरणालय भवन ल्लाक सी० कमरा सं०-७
ई मेल-jepcpalama@rediffmail.com & jepcpalama11@gmail.com

आवश्यक सूचना
आदर्श विद्यालय योजनान्तर्गत पलामू जिले के 02 उत्कृष्ट विद्यालय (School of Excellence) राजकीय +2 उच्च विद्यालय, मैदिनीनगर एवं राजकीय बालिका +2 उच्च विद्यालय, मैदिनीनगर, पलामू में शैक्षणिक सत्र 2023-24 में नामांकन हेतु दिनांक 08.08.2023 को प्रकाशित द्वितीय मेधा सूची में चयनित छात्र-छात्राओं के द्वारा दिनांक 05.09.2023 तक आवेदित विद्यालय में नामांकन नहीं लेने पर उनका नामांकन का दावा निरस्त समझा जायेगा। (अनिल कुमार चौधरी)
जिला शिक्षा पदाधिकारी-सह-PR 305641District(23-24)D जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, पलामू

कार्यालय, जिला परिषद, रौची
शुद्धि-पत्र

PR No. 305528
इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित आति अल्पकालीन निवादा आमंत्रण सूचना संख्या-13/2023-24 के गुप्त संख्या 19 (खलारी प्रखण्ड अंतर्गत पंचायत नवाडीह ग्राम लपरा नवाडीह मुख्य मार्ग मोनाटाला तक 984 फीट पी०सी०सी) एवं 32 (खलारी प्रखण्ड पंचायत बुकाबूका ग्राम खलारी शहीद चौक मुख्य पथ से बुकबूका पंचायत होते हुए डी०एस०पी० 10 आवास तक 3050 फीट पी०सी०सी०पथ निर्माण) को अपरिहार्य कारणों से अगले आदेश तक के लिए स्थगित किया जाता है। निवादा की शेष शर्त यथावत रहेगी।

जिला अभियंता
जिला परिषद रौची।

PR 305647 Panchayati Raj(23-24)D

सहारा ग्रुप के चारों सोसाइटियों में निवेशकों का सम्पूर्ण भुगतान हो : संयुक्त ऑल इंडिया जनआंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा

प्रभात मंत्र संवाददाता
रांची : देश भर के सहारा के पीडित निवेशकों का सम्पूर्ण भुगतान सहारा प्रबन्ध तत्र की हाथरमिता के कारण ड्वेने के कागर पर पहुंच है। सहारा निवेशक अपने भुगतान के संबंध में संयुक्त ऑल इंडिया जनआंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैठक तत्व देशभर में अदोनन कर अपने पैसे का मांग कर रही थी। देश के कई हिस्सों में लगातार हो रहे धरना प्रदर्शन की संज्ञा में लेते हुए आप महादेव ने 15.04.2023 को देश भर के सहारा भुगतान हेतु सराहनीय निर्णय लेते हुए एक कार्यक्रम के दौरान घोषणा किया कि देश के सहारा पीडितों का सम्पूर्ण भुगतान किया जाएगा, जिससे देश भर के निवेशकों में खुशी की तहर दौड़ गई। देश के सहारा पीडित निवेशक जिसकी संज्ञा 10 करोड़ से अधिक है, भारत सरकार आपके द्वारा प्रदर्शन किया गया। एक उक्त शब्द के कार्यक्रम एक्टुअल को ब्याही दी गयी। सेमेटर्ट-ड्यू तरह एक्टुअल-ड्यू के छात्राओं के द्वारा समाजन स्कूल उपरांग शिक्षण की प्राचार्यां द्वारा उक्त शब्द के बाद तथा अधिक्षित के लिए सतत मार्ग पर चलने का मूल्यांकन दिया तथा उत्तरांश अधिक्षित की काजन ने आता है पर इसे स्वीकार करना थोड़ा कठिन होता है, यहाँ से निकालने के बाद आपको आपको अपने तय लक्ष्य को पाने के नियंत्रण प्राप्त करना होता है।

रांची : देश भर के सहारा के पीडित निवेशकों का सम्पूर्ण भुगतान सहारा प्रबन्ध तत्र की हाथरमिता के कारण ड्वेने के कागर पर पहुंच है। सहारा निवेशक अपने भुगतान के संबंध में संयुक्त ऑल इंडिया जनआंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैठक तत्व देशभर में अदोनन कर अपने पैसे का मांग कर रही थी। देश के कई हिस्सों में लगातार हो रहे धरना प्रदर्शन की संज्ञा में लेते हुए आप महादेव ने 15.04.2023 को देश भर के सहारा भुगतान हेतु सराहनीय निर्णय लेते हुए एक कार्यक्रम के दौरान घोषणा किया कि देश के सहारा पीडितों का सम्पूर्ण भुगतान किया जाएगा, जिससे देश भर के निवेशकों में खुशी की तहर दौड़ गई। देश के सहारा पीडित निवेशक जिसकी संज्ञा 10 करोड़ से अधिक है, भारत सरकार आपके द्वारा प्रदर्शन किया गया। एक उक्त शब्द के कार्यक्रम एक्टुअल को ब्याही दी गयी। सेमेटर्ट-ड्यू तरह एक्टुअल-ड्यू के छात्राओं के द्वारा समाजन स्कूल उपरांग शिक्षण की प्राचार्यां द्वारा उक्त शब्द को दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्यां द्वारा उक्त शब्द के बाद तथा अधिक्षित के लिए सतत मार्ग पर चलने का मूल्यांकन दिया तथा उत्तरांश अधिक्षित की काजन ने आता है पर इसे स्वीकार करना थोड़ा कठिन होता है, यहाँ से निकालने के बाद आपको आपको अपने तय लक्ष्य को पाने के नियंत्रण प्राप्त करना होता है।

रांची : देश भर के सहारा के पीडित निवेशकों का सम्पूर्ण भुगतान सहारा प्रबन्ध तत्र की हाथरमिता के कारण ड्वेने के कागर पर पहुंच है। सहारा निवेशक अपने भुगतान के संबंध में संयुक्त ऑल इंडिया जनआंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैठक तत्व देशभर में अदोनन कर अपने पैसे का मांग कर रही थी। देश के कई हिस्सों में लगातार हो रहे धरना प्रदर्शन की संज्ञा में लेते हुए आप महादेव ने 15.04.2023 को देश भर के सहारा भुगतान हेतु सराहनीय निर्णय लेते हुए एक कार्यक्रम के दौरान घोषणा किया कि देश के सहारा पीडितों का सम्पूर्ण भुगतान किया जाएगा, जिससे देश भर के निवेशकों में खुशी की तहर दौड़ गई। देश के सहारा पीडित निवेशक जिसकी संज्ञा 10 करोड़ से अधिक है, भारत सरकार आपके द्वारा प्रदर्शन किया गया। एक उक्त शब्द के कार्यक्रम एक्टुअल को ब्याही दी गयी। सेमेटर्ट-ड्यू तरह एक्टुअल-ड्यू के छात्राओं के द्वारा समाजन स्कूल उपरांग शिक्षण की प्राचार्यां द्वारा उक्त शब्द को दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्यां द्वारा उक्त शब्द के बाद तथा अधिक्षित के लिए सतत मार्ग पर चलने का मूल

